राजस्व विभाग युद्ध जागीर दिनांक 30 मार्च, 1983

कमांक 176-ज(I)-83/11004.—श्री रामजी लाल, पुत्र श्री नत्यन, गांव लीहटको, तहसील व जिला गुड़गांवा, की दिनांक 13 दिसम्बर, 1979 को हुई मृत्यु के परिणामस्वरूप हरियाणा के राज्यपाल, पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार प्रधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उसमें श्राज तक संशोधन किया गया है) की धारा 4 एवं 2(ए)(1) तथा 3(1ए) के अभीर प्रदान को गई शित्रगों का प्रयोग करते हुए श्री रामजी लाल को मुन्तिग 150 राग वाधिक की जागीर जो उसे पंजाब/हरियाणा सरकार की श्रिधसूचना क्रमांक 3037-जे०-ऐन०-Ш-66/6684, तथा दिनांक 19 अप्रेल, 1966, श्रिधसूचना क्रमांक 5041-आर.—Ш-70/29505, दिनांक 8 दिसम्बर, 1970, द्वारा मन्त्रूर का गई थो, प्रज उसकी विधवा श्रीमती संख्पी देवी के नाम खरीक, 1980 से 300 रुपये वाधिक की दर से साद में दी गई शर्तों के अस्तर्ग अवदान करते हैं।

হিনাক 20, স্বৰ্গল 1983

कमांक 294-ज(I)-83/13204--पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार धिधिनयम, 1948 (जैसा कि जसे हरियाणा राज्य में धपनाया गया है भीर उसमें भ्राज तक संशोधन किया गया है) की धारा 2(ए)(1) तथा 3(1) के अनुसार सौपे गये धिधकारों का प्रयोग करते हुये हरियाणा के राज्यपाल श्रीमती राध कौर, विधवा श्री शेर सिंह, गांव डेरा सलेमपुर, तहसील व जिला अभ्वाला, को खरीफ़, 1975 से खरीफ, 1979 तक 150 रुपये वार्षिक तथा रबी, 1980 से 300 रुपये वार्षिक कीमत की युद्ध आगीर सनद में दी गई शर्तों के अनुसार सहर्ष प्रदान करते हैं।

क्रमांस 295-ज-(I)-83/13211.—पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार प्रश्विनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में धापनाया गया है और उसमें ग्राज तक संशोधन किया गया है) की घारा 2(ए)(ए) तथा 3(ए) के अनुसार सीपे गये प्रधिकारों का प्रयोग करते हुये हरियाणा के राज्यपाल श्री बाला राम, पुत्र श्री काला, निवासी मौजूमदार, लाईन प्रम्बाला, तहसील व खिला ग्रम्बाला, को रबी, 1973 से खरीफ, 1979 तक 150 रुपये वार्षिक तथा रबी, 1980 से 300 रुपये वार्षिक कीमत की युद्ध जागीर सनद में दी गई शर्तों के अनुसार सहर्ष अदान करते हैं।

दिनांक 29 भगेल, 1983

कर्मांक 460-ज(II)-83/13935.—श्री रतन सिंह, पुत्र श्री शेर सिंह, गांव खरैंमपुर, तहसील व जिला हिसार, की दिनांक 6 मई, 1982, को हुई मृश्यु के प्ररिणानश्वरूप हरियाणा के राज्यपाल पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार श्रीधिनयम, 1948 (जैसा कि जसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उसमें ग्राज तक संशोधन किया गया है) की धारा 4 एवं 2(ए)(1) तथा 3(1) के श्रधीन प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए श्री रतन सिंह को मुल्लिंग 300 रुपये वार्षिक की जागीर जो उसे हरियाणा सरकार की श्रीधसूचना क्रमांक 532-ज.-I-79/16895, दिनांक 9 श्रप्रैल, 1979 तथा अधिसूचना क्रमांक 1789-ज-(I)-79/44040, दिनांक 30 ग्रासूबर, 1979, द्वारा मंजूर की गई थी, अब इस की विद्वर्श श्रीमती सुरजां के नाम खरीक, 1982 से 300 रुपये वार्षिक की दर से सनद में दी गई शर्तों के श्रन्तगंत प्रदान करते हैं।

दिनांक 3 मई, 1983

कमांन 494-ज (II)-33/14290 -- पूर्वी पंजाब युद्ध पुरुष्कार अधिनियम, 1948 (जैता नि उते हरियाणा राज्य में धरनाया गया है और उत्तमें आज तह संघोधन किया गया है) की धारा 2(ए)(1ए) तथा 3 (1ए) के अनुतार सौंचे गये अधिकारों का अधेग करते हुए क्रियाणा के राज्याल औ ईश्वर जिह, 9व्र श्री गंगा राम, गांव ढाणा खुँग, तहसील हांसी, जिला हिसार, को खरीक, 1965 से रबी, 1970 तक 100 होंगे वाधिक, खरीक, 1970 से खरीक, 1979 तक 150 हपये विश्वक स्था रबी, 1980 से 300 हपये वाधिक कीमत की युद्ध जागीर सनद में दी गई धार्ती के अनुसार सहर्ष प्रदान करते हैं।

दी. म्रार. तुली, ह्यवर सचिव, हरियाणा सरकार, राजस्व विभाग ।